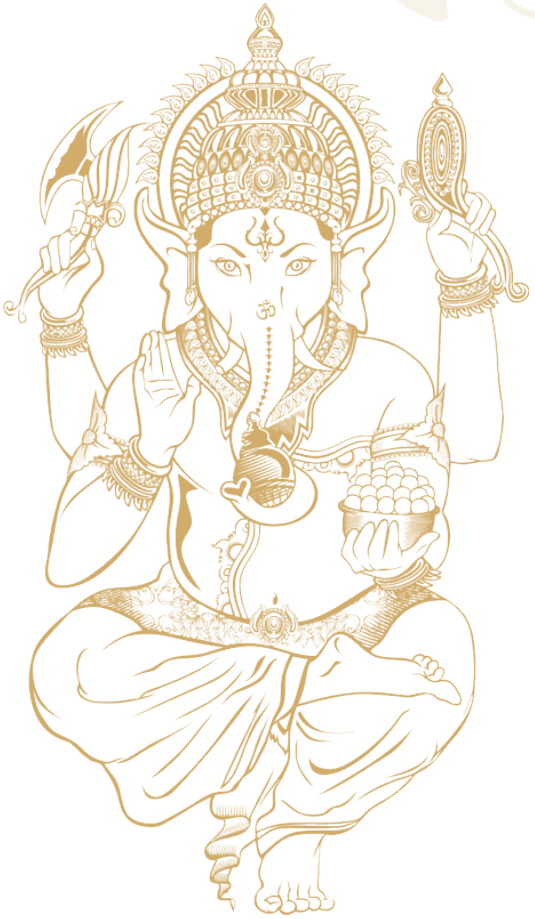

Mr. Rishab vats

24 Feb 2000

11:15 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119928402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/02/2000**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:15:00 घंटे**
इष्ट	40:56:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:22 घंटे
साम्पातिक काल	09:09:33 घंटे
सूर्योदय	06:52:24 घंटे
सूर्यास्त	18:16:55 घंटे
दिनमान	11:24:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:33:57 कुम्भ
लग्न के अंश	17:24:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:24:58	308:43:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	11:33:57	01:00:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	14:27:31	12:31:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			मीन	15:46:47	00:45:18	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	22:28:19	00:31:07	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	07:50:23	00:10:53	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	14:13:15	01:14:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	18:08:17	00:04:30	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:21:47	00:03:42	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:21:47	00:03:42	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:00:12	00:03:22	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:20:12	00:02:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:56:07	00:00:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	21:03:55	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:19

लग्न-चलित

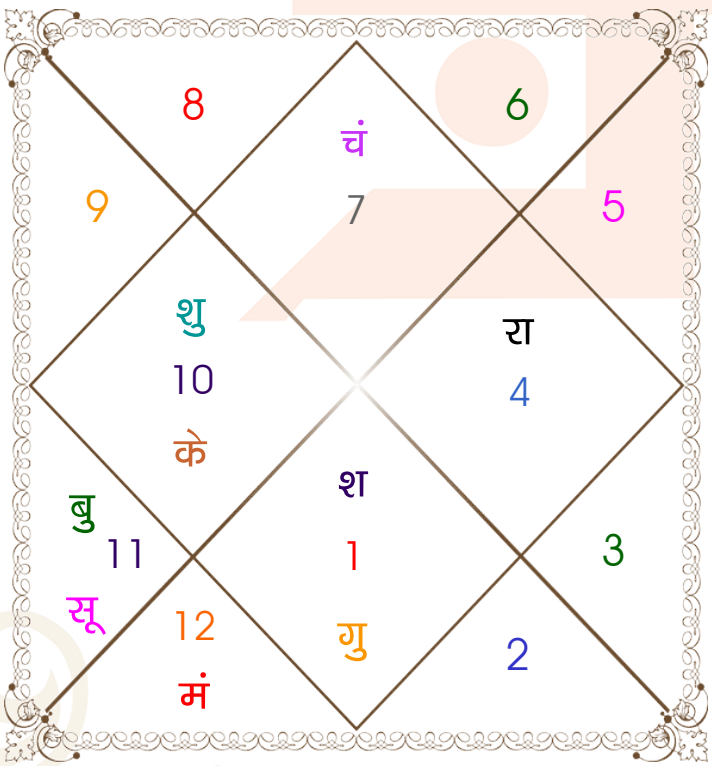

चन्द्र कुंडली

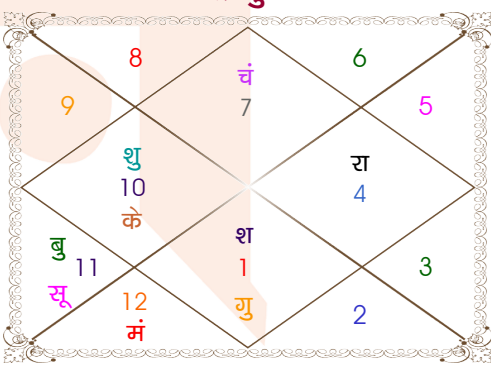

नवमांश कुंडली

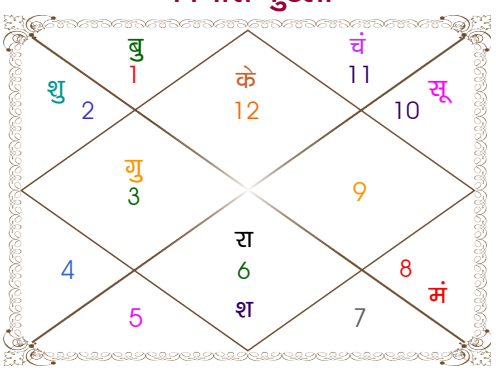

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 7 वर्ष 5 मास 23 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/02/2000		19/08/2007		19/08/2023		19/08/2042		19/08/2059	
19/08/2007		19/08/2023		19/08/2042		19/08/2059		19/08/2066	
	00/00/0000	गुरु	06/10/2009	शनि	22/08/2026	बुध	14/01/2045	केतु	15/01/2060
	00/00/0000	शनि	18/04/2012	बुध	01/05/2029	केतु	11/01/2046	शुक्र	16/03/2061
	00/00/0000	बुध	25/07/2014	केतु	10/06/2030	शुक्र	11/11/2048	सूर्य	22/07/2061
	24/02/2000	केतु	01/07/2015	शुक्र	09/08/2033	सूर्य	18/09/2049	चंद्र	20/02/2062
केतु	07/03/2001	शुक्र	01/03/2018	सूर्य	22/07/2034	चंद्र	17/02/2051	मंगल	19/07/2062
शुक्र	07/03/2004	सूर्य	18/12/2018	चंद्र	21/02/2036	मंगल	14/02/2052	राहु	07/08/2063
सूर्य	29/01/2005	चंद्र	18/04/2020	मंगल	31/03/2037	राहु	03/09/2054	गुरु	13/07/2064
चंद्र	31/07/2006	मंगल	25/03/2021	राहु	05/02/2040	गुरु	09/12/2056	शनि	21/08/2065
मंगल	19/08/2007	राहु	19/08/2023	गुरु	19/08/2042	शनि	19/08/2059	बुध	19/08/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
19/08/2066		19/08/2086		18/08/2092		20/08/2102		19/08/2109	
19/08/2086		18/08/2092		20/08/2102		19/08/2109		00/00/0000	
शुक्र	18/12/2069	सूर्य	06/12/2086	चंद्र	18/06/2093	मंगल	16/01/2103	राहु	02/05/2112
सूर्य	18/12/2070	चंद्र	07/06/2087	मंगल	18/01/2094	राहु	03/02/2104	गुरु	25/09/2114
चंद्र	18/08/2072	मंगल	13/10/2087	राहु	19/07/2095	गुरु	09/01/2105	शनि	01/08/2117
मंगल	18/10/2073	राहु	05/09/2088	गुरु	17/11/2096	शनि	18/02/2106	बुध	18/02/2120
राहु	18/10/2076	गुरु	25/06/2089	शनि	19/06/2098	बुध	15/02/2107	केतु	25/02/2120
गुरु	19/06/2079	शनि	07/06/2090	बुध	18/11/2099	केतु	14/07/2107		00/00/0000
शनि	19/08/2082	बुध	13/04/2091	केतु	19/06/2100	शुक्र	12/09/2108		00/00/0000
बुध	18/06/2085	केतु	19/08/2091	शुक्र	18/02/2102	सूर्य	18/01/2109		00/00/0000
केतु	19/08/2086	शुक्र	18/08/2092	सूर्य	20/08/2102	चंद्र	19/08/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 7 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।